

फर्द अहकाम

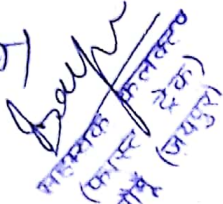
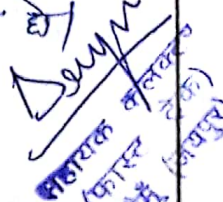
सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रेक)
चौमू (जयपुर)

रामेश्वर बनाम नारायण

म न्यायालय

क्र संख्या 18/2018

वार

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विषय
	1-8-19	<p>कलक्टर (उप) वकील वादी ने ज्ञा फर्द 07R11 CPC का जवाब न देकर भीषे भी बहस हेतु निवेदन किया गया। ज्ञा फर्द के पर उग्रपत्रों की बहस सुनी गई। पत्रावली का अक्षर अवलोकन कादेश ज्ञा फर्द 07R11 CPC दिनांक 14/8/19 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) चौमू (जयपुर) </p>	
	14/8/19	<p style="text-align: center;">↓ 26/8/19</p>	
	26/8/19	<p style="text-align: center;">↓ 29/8/19</p>	
	29/8/19	<p>कलक्टर (उप)। प्रार्थना - पत्र एवं पत्रावली का अक्षर अवलोकन किया गया बहस पर मनन किया गया। प्रार्थना - पत्र 07R11 CPC स्वीकार किया गया। बहस जा रहा है। प्रार्थना - पत्र 07R11 CPC स्वीकार होने से प्रलंबा के इसी स्वरूप पर खारिज किया जा रहा है। पत्रावली फौजल सुमार होकर इस नम्बर से रज हो गया दाखिल दफतर हो।</p> <p style="text-align: center;">  सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) चौमू (जयपुर) </p>	

न्यायालय सहायक कलेक्टर(फा0ट्रै0) चौमूँ, जिला-जयपुर
पीठारसीन अधिकारी:- श्रीमती देवयागी(R.A.S.)

मुकदमा संख्या :-18/18

रामेश्वर बनाम नारायणलाल वर्गै0

(वाद पत्र)

प्रार्थना पत्र तहत आदेश 7 नियम 11 जाप्ता दीवानी

आदेश

दिनांक:-29.08.2019

प्रार्थी/प्रतिवादी संख्या 6 व प्रतिवादी संख्या 7 की ओर से प्रार्थना पत्र तहत आदेश 7 नियम 11 जाप्ता दीवानी इस आशय का पेश किया गया है कि वादीगण ने उक्त उनवानी वाद प्रतिवादीगण संख्या 6 व 7 को बतौर हाल सरपंच ग्राम पंचायत तिगरिया व हाल सचिव ग्राम पंचायत तिगरिया अविधिक रूप से पक्षकार बनाते हुए न्यायालय श्रीमान् के समक्ष विवादित भूमि पर निर्मित सी0सी0 रोड को जरिये आज्ञात्मक निषेधाज्ञा हटवाने एवं वादीगण को हुए तथाकथित नुकसान के लिये प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 7 से 5 लाख रुपये प्रतिकर के रूप में दिलवाने की अनुतोष चाहते हुए उक्त वाद न्यायालय श्रीमान् की क्षेत्राधिकारिता से परे जाकर पेश किया है, जो पेश रफत नहीं होने से खारिज किये जाने योग्य है। राजस्थान पंचायती राज अधिनियम की धारा 109 के तहत ग्राम पंचायत/सरपंच ग्राम पंचायत/सचिव ग्राम पंचायत के विरुद्ध कोई भी वाद बिना उन्हे दो माह का विधिक नोटिस दिये बिना पेश रफत नहीं है। जो प्रावधान आज्ञापक है, जिनकी पालना किये बिना कोई भी वाद चलने योग्य नहीं हैं, वादीगण ने न्यायालय श्रीमान् के समक्ष उक्त वाद प्रस्तुत करने से प्रतिवादीगण संख्या 6 व 7 को 2 माह का विधिक नोटिस तहत धारा 109 राजस्थान पंचायती राजस्थान अधिनियम नहीं दिया, जिस नोटिस की छूट हेतु धारा 80 सीपीसी के प्रावधान भी लागू नहीं होते है, ऐसे में वादीगण वाद कानूनी आज्ञात्मक प्रावधानों में प्रतिकूल होने से पेश रफत नहीं होने से खारिज योग्य है। वादीगण ने उसको वाद पत्र में खसरा नम्बर 3099 व 3101 में निर्णित तथाकथित सी0सी0 रोड को हटवाने हेतु आज्ञात्मक निषेधाज्ञा का अनुतोष चाहा है, न्यायालय श्रीमान् को Mandatory Injection जारी करने का कोई हक अधिकार नहीं है। Mandatory Injection जारी करने का एकमात्र अधिकार सिविल न्यायालय को है, ना कि राजस्व न्यायालय को, ऐसे में भी वादीगण का वाद न्यायालय श्रीमान् के क्षेत्राधिकार से परे कारण खारिज योग्य हैं। वादीगण ने अपने वाद पत्र में प्रतिवादी संख्या 1 ता

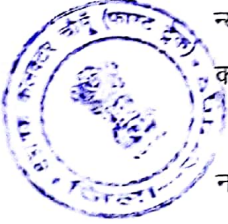


Signature
सहायक कलेक्टर
(फा0ट्रै0) चौमूँ, जयपुर

7 से 5 लाख रुपये की राशि बतौर प्रतिकर प्राप्त करने का अनुतोष वाहा हैं, जिस हेतु भी वाद सुनवाई का एकमात्र क्षेत्राधिकार सिविल न्यायालय को ही हैं, ना कि राजस्व न्यायालय को। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम में आज्ञात्मक निषेधाज्ञा जारी करने का मुआवजा राशि/प्रतिकर राशि दिलवाने का कोई भी प्रावधान किसी भी उपबन्ध में नहीं है। ऐसे में वादीगण का वाद विधि के सुरथापित सिद्धान्तों के प्रतिकूल होने से पेश रफ्त नहीं होने से मय हर्जा 5000/- रुपये खारिज किये जाने योग्य है।

अप्रार्थी/वादी ने प्रार्थना पत्र 07R11 CPC का जवाब न देकर सीधे ही बहस हेतु निवेदन किया गया। प्रार्थना पत्र पर उभयपक्षों की बहस सुनी गई। बहस में प्रार्थी/प्रतिवादी में अपने प्रार्थना पत्र का दोहरान किया तथा निवेदन किया की प्रतिकर दावे की सुनवाई को क्षेत्राधिकार इस न्यायालय को न होकर सिविल न्यायालय को है। वकील अप्रार्थी/वादी ने प्रार्थना पत्र पर आपत्ति जताई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। उभयपक्षों की बहस पर मनन किया गया। मूल वाद वादग्रस्त भूमि पर अतिक्रमण कर किये गये अवैध निर्माण को हटवाये जाने व अनाधिकृत एवं गैर कानूनी निर्माण के लिए प्रतिकर बाबत एवं स्थायी निषेधाज्ञा का है। उक्त सुनवाई को क्षेत्राधिकार सिविल न्यायालय को है। अतः उक्त वाद इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार में नहीं होने से प्रार्थी/प्रतिवादी सं० 6 व प्रतिवादी संख्या 7 का प्रार्थना पत्र आदेश 7 नियम 11 जाप्ता दीवानी का स्वीकार किया जाता है।

आदेश आज दिनांक 29.08.2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले नयायालय में सुनाया गया।



Beary
सहायक क्लर्क (वेतन)
(फा 10/20) जयपुर

डिक्री मुकदमा इब्दाई
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)
न्यायालय सहायक कलेक्टर (फा0ट्रै0), चौमूं, जयपुर
पीठारीन अधिकारी:- श्रीमती देवयानी(R.A.S.)

उनवान

1. रामेश्वर पुत्र भेरु
2. भागीरथ दत्तक पुत्र श्री बीजा
समस्त जाति अहीर, निवारी ग्राम तिगरिया, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।

-वादीगण

बनाम

1. नारायणलाल पुत्र अर्जुन
2. शैतान पुत्र अर्जुन
3. बनवारीलाल पुत्र अर्जुन
4. बाबुलाल पुत्र मुस्लीधर
5. भगवानसाहाय पुत्र नारायण
समस्त जाति अहीर, निवारी ग्राम तिगरिया, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।
6. अनिता यादव पत्नि दानाराम यादव हाल सरपंच ग्राम पंचायत तिगरिया, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।
7. रामपाल सौनी पुत्र नामालुम जाति माली, निवारी रावण गेट, कस्बा चौमूं, तह चौमूं, जिला जयपुर हाल राविव ग्राम पंचायत तिगरिया, तह चौमूं, जयपुर।
8. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तहसील चौमूं

-प्रतिवादीगण

दावा बाबत अतिक्रमण कर किये गये निर्माण को हटाये जाने
व अनाधिकृत एवं गैर कानूनी निर्माण के लिए प्रतिकर बाबत
एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 179 व 188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

मुकदमा नं0:-18/2018



ये मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कई रुबरु हाजरी वकील वादी व प्रतिवादीगण मिनजामिन मुददई रुबरु श्रीमती देवयानी आरएएस मिनजामिन मुददायलह पेश होकर हुम दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि-

अप्रार्थी/प्रतिवादी सं0 6 व 7 का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 जाप्ता दीवानी का स्वीकार किया जाता है तथा वादीगण का वाद पत्र खारिज किया जाता है।

Devyani
सहायक कलेक्टर
(फा0ट्रै0) चौमूं, जयपुर

निजीमबलिक बाबतखर्चा इस मुकदमे का मय सूद
वगैरह फीसदी सालाना आज की तारीख वसूलियाय तक
को अदा करें।

बसरत मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत के आज तारीख 29.08.2019 को जारी
किया गया।

मोहर

दस्तखत

ओहदा.....

वाद के खर्चे

वादी		प्रतिवादी	
	रुपया		रुपया
1. स्टाम्प अर्जी दावा	2	1. स्टाम्प अर्जी दावा	1
2. स्टाम्प वकालतनामा	1	2. स्टाम्प वकालतनामा	1
3. स्टाम्प वजह सबूत		3. महन्ताना वकील	
4. महन्ताना वकील		4. खर्चा गवाहन	
5. खर्चा गवाहन		5. फीस कमिश्नर	
6. फीस कमिश्नर		6. बाबत इजराय	
7. बाबत इजराय		हुक्मनामा	
हुक्मनामा		7. मुतफरिक	
8. मुतफरिक			
जोड़	3	जोड़	2



.....
महाराष्ट्र न्यायपालिका
(फास्ट ट्रैक)
चौमू (जयपुर)

